**भारत सरकार**

**मानव संसाधन विकास मंत्रालय**

**उच्‍चतर शिक्षा विभाग**

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्याः 1684**

**उत्तर देने की तारीखः 27.12.2018**

**शिक्षाविदों के विदेश दौरे**

**1684. डा॰ अशोक बाजपेयीः**

क्या **मानव संसाधन विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) गत तीन वर्षों के दौरान शैक्षणिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत कितने प्रोफेसरों, वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और शिक्षा शास्त्रियों ने विदेश का दौरा किया;

(ख) क्या इसमें से अधिकांश महानगरों के हैं;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी शहर-वार ब्यौरा क्या है; और

(घ) ऐसे आदान-प्रदान कार्यक्रमों के अंतर्गत विशेषकर अन्य शहरों और क्षेत्रों से देश के बाहर भेजे जाने वाले व्यक्तियों की संख्या बढ़ाने हेतु सरकार द्वारा क्या उपाय किए जा रहे हैं?

**उत्तर**

**मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री**

**(डॉ. सत्य पाल सिंह)**

(क) से (घ): इस मंत्रालय द्वारा विदेशी सरकारों के साथ किये गये शैक्षिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों (ईईपी) में सहयोगी करारों के माध्‍यम से भारत और संबंधित देशों के बीच संकाय सदस्‍यों और शोध विद्वानों के आदान-प्रदान को सरल बनाने की परिकल्‍पना की गई है।

सरकारी स्‍तर के समझौता ज्ञापन/ईईपी के अलावा, भारत में अधिकांश विश्‍वविद्यालयों का स्‍वरूप स्‍वायत्‍त है और ये उन क्षेत्रों में विदेशी शैक्षिक संस्‍थाओं के साथ सहयोग कर सकते हैं जिसमें अन्‍य बातों के साथ-साथ संस्‍थागत स्‍तर पर समझौते/समझौते ज्ञापन पर हस्‍ताक्षर करके संकाय का आदान-प्रदान, छात्रों का आदान-प्रदान, संयुक्‍त शोध कार्यक्रम शामिल हैं बशर्ते कि अधिनियम या विनियम (जिसके अंतर्गत संस्‍था स्‍थापित की गई है) विदेशी संस्‍थान के समझौता करने का प्रावधान हो और सरकार पर संस्‍थान को प्रदत्‍त एकमुश्‍त वार्षिक अनुदान के अतिरिक्‍त कोई वित्‍तीय प्रभाव नहीं हो तथा समझौता ज्ञापन/करार लागू राष्‍ट्रीय शिक्षा नीति, संसद के अधिनियमों और देश के किसी अन्‍य कानून के अनुरूप हो।

ये एमओयू/ईईपी व्‍यापक प्रकृति के हैं और ऐसी व्‍यवस्‍था के लिए केवल मंच प्रदान करते हैं और संस्‍थाएं सहयोग के लिए विशिष्‍ट व्‍यवस्‍था करने हेतु स्‍वतंत्र हैं। अत: इस मंत्रालय में संस्‍थाओं द्वारा शुरू किए गए ऐसे संकाय आदान-प्रदान कार्यक्रमों के अंतर्गत प्रोफेसरों, वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं व शिक्षाविदों के दौरों से संबंधित जानकारी केंद्रीय रूप से नहीं रखी जाती।

\*\*\*\*